"शिक्षक समाज और राष्ट्र का निर्माता होता है, वह अपने ज्ञान, कर्तव्य निष्ठा और उचित मार्गदर्शन से अपने संपर्क में आने वाले विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। विश्व आज जिस सांस्कृतिक संक्रमण से गुज़र रहा है उसको सुधारने का काम शिक्षक के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। वर्तमान समय में शिक्षक और अध्यापक के कंधों पर युवाओं के माध्यम से समाज को सही दिशा देने का गुरूभार है" – ये विचार थे अग्रवाल महाविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह के आयोजन में प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी के। भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन् जो कि एक महान शिक्षाविद् भी थे, उनको याद करते हुए और उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर इस समारोह का शुभारंभ हुआ। बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा रीतिका ने कविता के माध्यम से और बी.कॉम तृतीय वर्ष की छात्रा नूतन ने गीत के माध्यम से शिक्षकों के कार्यों और समाज में उनकी देन के प्रति सम्मान भाव व्यक्त किया। महाविद्यालय के कार्यालय से श्री मनमोहन सिंगला ने भी अपने जीवन में शिक्षकों के योगदान को स्वीकार कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द ने किया। मंच संचालन के दौरान उन्होंने बताया कि माँ, प्रकृति, जीवन, समय और अनुभव व्यक्ति के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक हैं जो ये सिखाते हैं वे किताबें भी नहीं सिखा सकतीं। इस समारोह के सफल आयोजन में डॉ. शोभना गोयल, डॉ. पूजा सैनी, सुश्री सुप्रिया ढ़ांडा ने विशेष योगदान दिया। इस आयोजन में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।